प्रसव-पश्चात होने वाली जटिलताएं

यदि माँ को काफी रक्त स्राव हो रहा हो और उसे प्रतिदिन पांच से अधिक पैड या एक मोटे कपड़े का इस्तेमाल करना पड़ता हो, तो यह **अत्यधिक रक्त स्राव** के लक्षण हैं।

रक्त स्राव को कम करने के लिए माँ को तुरंत स्तनपान कराने को कहें। उसे जल्द किसी **अस्पताल** ले जाएं।

यदि माँ का स्राव बदबूदार हो तो यह प्रसव के बाद होने वाला संक्रमण **(सेप्सिस)** हो सकता है। बदबूदार स्राव के साथ बुखार, ठंड तथा पेट में दर्द होने से संक्रमण की संभावना की पुष्टि होती है।

बुखार की जांच करने के लिए तापमान मापें। बेहतर हो कि माँ को उसी दिन **अस्पताल** ले जाएं।

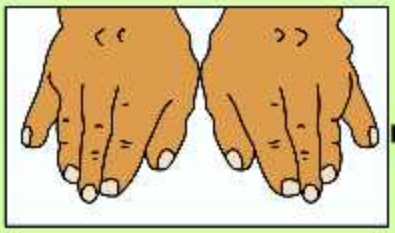

अन्य खतरे का लक्षण है- **ऐंठन**। ऐंठन के साथ कभी-कभी चेहरे तथा हाथों की सूजन, गंभीर सिरदर्द तथा धुंधली दृष्टि हो सकती है ।

माँ को तुरंत **अस्पताल** पहुँचाएं। यदि ए.एन.एम. उपलब्ध हो तो वह अस्पताल ले जाने से पहले माँ को स्थिर कर सकती है।

माँ यदि पीली दिखाई देती हों तो एनीमिया की जाँच करवाएं। यह सुनिश्चित करें कि वह कम से कम १०० दिनों तक आई. एफ. ए. की गोलियां लेती रहें। यदि वह गंभीर रूप से एनीमिक हों तो उसे उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं। उसे स्वस्थ तथा लोहे से भरपूर आहार की जरूरत के बारे में समझाएं।

प्रसव-पश्चात होने वाली जटिलताएं

यदि माँ के **स्तन भरे** हों तो उसे स्तनपान करवाने में मदद करें ताकि बच्चा अच्छी तरह से स्तनपान कर सके। स्तन पर गर्म सेंक दें तथा उसे दूध निचोड़ने में मदद करें। उसके तापमान की जाँच करें। यदि उसे बुखार हो तो **डॉक्टर** को दिखाने की सलाह दें। भले ही उसे एंटीबायोटिक्स दिया जाए पर उसे स्तनापान जारी रखने को प्रेरित करें।

माँ को यदि योनि क्षेत्र में **सूजन तथा संक्रमण** हो तो उसे वह स्थान साफ रखने को कहें तथा गुप्तांग पर दिन में दो बार गर्म पानी में डुबोया कपड़ा रखने की सलाह दें। यदि बुखार हो तो उसे डॉक्टर को दिखाने की सलाह दें। **पारासीटामोल** की एक गोली खिलाने से दर्द तथा बुखार में आराम मिल सकता है।

प्रसव के बाद माँ की **मनोदशा यदि अस्थिर** रहे तो उसे परामर्श दें; परिवार को भी परामर्श दें ताकि वे आवश्यक सहायता दे सके। यदि एक हफ्ते बाद भी कोई सुधार न हो या उसकी मनोदशा गंभीर रूप से अस्थिर रहे तो पी.एच.सी. या सीएचसी जाने की सलाह दें।